Toppersnotes®
Unleash the topper in you

RAS

राजस्थान प्रशासनिक सेवा

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)

भाग – 4

विश्व एवं भारत का भूगोल एवं भू–विज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

भाग- 8

विश्व एवं भारत का भूगोल एवं भू-विज्ञान

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**प्रमुख स्थलाकृतियाँ, नदियाँ व झीलें - विश्व** • पर्वतों का वर्गीकरण • एण्डीज • रॉकी पर्वत • ग्रेट डिविडिंग रेंज • यूराल पर्वत • एटलस पर्वत • अल्पेशियन पर्वत • हिमालय • आल्पस पर्वत • पठार के 7 प्रकार: • पठार एवं उसकी प्रसिद्धि का कारण • तिब्बत का पठार • कोलंबिया स्नेक पठार - • कोलोरेडो पठार • दक्कन का पठार • किम्बरले पठारः • कटांगा पठार • मेस्करीन पठार • लॉरेंशियन पठार • मैक्सिकन पठार • पैटागोनिया का पठार • बोलीवियन पठार • मैसिफ सेंट्रल • एनातोलिया का पठार • अन्य • मैदान के प्रकार • वायु अपरदन से बने मैदान • विश्व के महत्वपूर्ण मैदान • मरूस्थल के प्रकार • अपवाह प्रतिरूप के प्रकार • उत्तरी अमेरिका की नदियाँ • दक्षिण अमेरिका की नदियाँ:	1
2.	**भूकंप और ज्वालामुखी** • ज्वालामुखी उत्पति के कारण • ज्वालामुखी से निकलने वाले पदार्थ • ज्वालामुखी से निकलने वाले विखंडित पदार्थ • ज्वालामुखी के प्रकार • उद्गार के अनुसार • ज्वालामुखी का वितरण	38

	• परि प्रशांत महासागर की तटीय पेटी • मध्य महाद्वीपीय पेटी (Mid Continental Belt) • अन्धमहासागरीय पेटी (Atlantic Belt) • अन्य बिखरे हुए (Scattered Volcanoes) ज्वालामुखी • ज्वालामुखी का प्रभाव • ज्वालामुखी विस्फोट के नकारात्मक प्रभाव • ज्वालामुखी विस्फोट के सकारात्मक प्रभाव • हॉट स्प्रिंग्स और गीजर • भूकंप • भूकंप केंद्रफोकस/ • अधिकेंद्र • भूकंप का मापन • भूकम्पीय लहरें (Seismic Waves) • भूकम्प की तीव्रता • भूगर्भशास्त्रियों के अनुसार भूकम्प के कारण • भूकम्पों का वर्गीकरण • संसार के भूकम्प क्षेत्र • प्रशान्त महासागर की तटीय पेटी (Coastal Pacific Belt) • मध्यवर्ती महाद्वीपीय पेटी (Mid Continental Belt) • भूकम्प शून्य क्षेत्र (Earthquake Silent Belte) • सुनामी • भारत के भूकम्पीय क्षेत्र	
3.	**पृथ्वी और भूवैज्ञानिक समय-सारणी** • पृथ्वी की काल्पनिक रेखाएँ • अक्षांश (Latitude) • अक्षांश रेखा की विशेषताएँ • देशांतर (Longitude) • देशांतर रेखा की विशेषता • समय का निर्धारण • समय जोन (Time Zone) • पृथ्वी की गति • ऋतुएँ • दिन की अवधि (Duration of Day) • कर्क रेखा (Tropic of Cancer) • मकर रेखा (Tropic of Capricorn) • कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ • ग्रहण (Eclipse) • पृथ्वी का भू-गर्भिक इतिहास • पूर्व कैम्ब्रियन या आद्य कल्प (Precambrian or ArcheanEra) • पुराजीवी कल्प (Palaeozoic Era) • कैम्ब्रियन शक (Cambrian Period) • आर्दोविसियन शक (Ordovician Period) • सिल्यूरियन शक (Silurian Period) • डिवोनियन शक (Devonian Period) • कार्बनीफेरस शक (Carboniferous Period) • पार्मियन शक (Permian Period) • मेसोजासेइक कल्प (Mesozoic Era) • ट्रियासिक शक (Triassic Period) • जुरैसिक शक (Jurassic Period) • क्रिटैशियस शक (Cretaceous Period) • सेनोजोइक कल्प (Cenozoic Era)	**48**

	• पैलियोसीन युग (Palaeocene Epoch) • इयोसीन युग (Eocene Epoch) • ओलिगोसीन युग (Oligocene Apoch) • मायोसीन युग (Miocene Epoch) • प्लायोसीन युग (Pliocene Epoch) • चतुर्थक युग (Quarternary Period) • प्लीयोटोसीन युग (Pleistocene Epoch) • आधुनिक युग (Recent Epoch)	
4.	**कृषि के प्रकार** • भारत में कृषि क्रांति के प्रकार • फसल क्रम और फसल प्रणाली के बीच अंतर • फसल क्रम को प्रभावित करने वाले कारक • फसल क्रम के प्रकार • कृषि अर्थव्यवस्था के आधार पर • फसलों के लिए नमी के स्रोत के आधार पर • भारत में फसल मौसम • उपज के प्रकार के आधार पर • जलवायु के आधार पर • रोपण काल के आधार पर • फसलों के जीवन/फसलों की अवधि के आधार पर	**60**

5.	**विश्व के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र**
	• उद्योगों का वर्गीकरण
	  ○ कच्चे माल के आधार पर
	  ○ स्वामित्व के आधार पर
	  ○ आकार के आधार पर
	• विश्व के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र (Industrial Regions)
	• मुख्य उद्योग
	• विश्व औद्योगिक समस्याएं
	• विश्व के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र (Industrial Regions)
		70

6.	**प्रमुख भौतिक भू-आकृतियाँ, नदियाँ एवं झीलें - भारत**
	• हिमालय पर्वत
	  ○ भौतिक विशेषता
	  ○ हिमालय के उपखंड
	  ○ उत्तर - दक्षिण हिमालय
	  ○ कश्मीर /पंजाब / हिमाचल हिमालय
	• भारत का अपवाह तंत्र
	  ○ हिमालय अपवाह प्रणाली/ तंत्र
	  ○ सिंधु नदी प्रणाली से संबंधित प्रमुख नदियां
	  ○ प्रमुख बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ
	  ○ प्रमुख दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ
	  ○ यमुना नदी प्रणाली
	  ○ प्रमुख सहायक नदियाँ
	  ○ ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली
	  ○ ब्रह्मपुत्र के क्षेत्रीय नाम
		74

	○ प्रमुख सहायक नदियाँ ○ प्रमुख नदी घाटी परियोजनाएं/बांध/बैराज ○ प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र ○ गोदावरी ○ प्रमुख सहायक नदियाँ ○ कृष्णा नदी ○ प्रमुख सहायक नदियाँ ○ नर्मदा ○ महानदी ○ प्रमुख सहायक नदियाँ ○ कावेरी ○ प्रमुख वितरिकाएँ ○ तापी या ताप्ती ○ प्रमुख सहायक नदियाँ ○ पेन्नार नदी / उत्तर पिनाकिनी ○ थमिराबरानी नदी / पोरुनाई ○ पेन्नार (ponnaiyar) ○ वैगई ○ सुवर्णरेखा ○ ब्राह्मणी और बैतरणी नदी ○ साबरमती ○ माही ○ लूनी ○ घग्घर • भारत की महत्वपूर्ण झीलें	
7.	**भारत के प्रमुख भू-आकृतिक प्रदेश** • मैदान ○ विशाल मैदानों के विभाजन ○ विशाल मैदानों का क्षेत्रीय वर्गीकरण: ○ भारत के अन्य दोआब ○ क्षेत्र ○ निचला गंगा का मैदान ○ तटीय मैदान ○ लंबी भारतीय तटरेखा का महत्व ○ पश्चिमी तटीय मैदानों और पूर्वी तटीय मैदानों की तुलना • भारतीय रेगिस्तान ○ रेतीला थार रेगिस्तान ○ ठंडा रेगिस्तान ○ कच्छ का रण • प्रायद्वीपीय पठार ○ प्रमुख पठार ○ विभाजन ○ पश्चिमी घाट	**122**

<table>
<tr><td></td><td>पूर्वी घाट
पश्चिमी और पूर्वी घाटों के बीच अंतर।
दक्कन के पठार में प्रमुख पर्वतीय दर्रे (मध्य और दक्षिणी भारत)
प्रायद्वीपीय क्षेत्र का महत्व
भारत के द्वीप:
अंडमान और निकोबार के प्रमुख द्वीप:</td><td></td></tr>
<tr><td>8.</td><td>भारत की जलवायु
भारत में मौसम
भारतीय जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक
भारतीय मानसून
क्रिया
शास्त्रीय सिद्धांत / थर्मल अवधारणा(classical theory)
गतिशील सिद्धांत / अंतर उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (आईटीसीजेड) के स्थानांतरण का सिद्धांत
वर्तमान अवधारणा
भारत में वर्षा वितरण
वार्षिक वर्षा की परिवर्तनशीलता
दक्षिण पश्चिम मानसून में अवसाद/विराम
भारत में जीवन पर मानसून का प्रभाव
सकारात्मक</td><td>152</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>प्राकृतिक संसाधन
भारत के जल संसाधन
जल संसाधन
जल संसाधनों के प्रकार
भूजल संसाधन
भूजल के स्रोत
जल तालिका का अवक्षेपण
सतही जल संसाधनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय समझौता
राष्ट्रीय जल नीति 2012
अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद
अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद समाधान
सक्रिय अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद न्यायाधिकरण
भारत की वन सम्पदा
सामाजिक वानिकी
मृदा सम्पदा
भारतीय मिट्टी की समस्याएं</td><td>169</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>भारत में कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियां
भारत की महत्वपूर्ण फसलें
भारत की प्रमुख खाद्य फसलें
भारत की प्रमुख नकदी फसलें
भारत की तिलहन फसलें
रोपण फसल</td><td>186</td></tr>
</table>

11.	**भारत में शैल एवं खनिज**
	• भारत की चट्टान प्रणाली (Rock System of India)
	  ○ आर्कियन क्रम की चट्टानें
	  ○ क्षेत्र और धातु मात्रा के आधार पर विभिन्न श्रृंखलाओं का वर्गीकरण
	  ○ पुराण समूह की चट्टानें
	  ○ द्रविड़ियन समूह की चट्टानें (पुराजीवी समूह)
	  ○ आर्यन समूह की चट्टानें
	• भारत के खनिज संसाधन
	• भारत में लौह अयस्क का वितरण:
	• मैंगनीज
	• बॉक्साइट
	• अभ्रक
		198

12.	**ऊर्जा संसाधन**
	• पारंपरिक स्रोत
	  ○ जल विद्युत
	  ○ भारत में जलविद्युत विद्युत संयंत्रों की सूची
	  ○ तापीय उर्जा
	  ○ भारत में ताप विद्युत संयंत्रों की सूची
	  ○ भारत में परमाणु संयंत्र
	  ○ भारत में परमाणु संयंत्र
	  ○ भारत में परमाणु संयंत्र
	  ○ परिचालन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की सूची
	• गैर-पारंपरिक स्रोत
	  ○ सौर ऊर्जा
	  ○ भारत में वितरण
	  ○ भारत के प्रमुख सौर ऊर्जा संयंत्र/पार्क
	  ○ भारत में अन्य सौर संयंत्र
	• भारत में भूतापीय ऊर्जा
	• बायोमास
		212

13.	**भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र**
	• भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र
	  ○ मुंबई-पुणे औद्योगिक क्षेत्र:
	  ○ हुगली औद्योगिक क्षेत्र
	  ○ बैंगलोर-तमिलनाडु औद्योगिक क्षेत्र
	  ○ गुजरात औद्योगिक क्षेत्र
	  ○ छोटानागपुर औद्योगिक क्षेत्र
	  ○ गुड़गांव-दिल्ली-मेरठ औद्योगिक क्षेत्र
	• लघु औद्योगिक क्षेत्र
	• भारत में प्रमुख उद्योग
	  ○ सीमेंट उद्योग
	  ○ भारत में सीमेंट उद्योग का भौगोलिक वितरण
	• लोहा और इस्पात उद्योग
	• वस्त्र उद्योग
	  ○ भारत में कपास उद्योग का भौगोलिक वितरण
	• चीनी उद्योग
		229

	○ भारत में चीनी उद्योग का भौगोलिक वितरण • पेट्रो रसायन उद्योग ○ भारत में पेट्रो -रसायन उद्योग का भौगोलिक वितरण • फुटलूज इंडस्ट्रीज ○ भारी उद्योग ○ ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स उद्योग(दवाई और औषधीय) • भारत में पेट्रो रसयान उद्योग का भौगोलिक वितरण • ज्ञान आधारित उद्योग	
14.	**भारत में परिवहन** • सड़क परिवहन ○ सड़कों का भारतीय वर्गीकरण ○ नई प्रणाली के अनुसार भारत में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्गों की सूची ○ एक्सप्रेसवे ○ डेडिकेटेड(समर्पित) परिवहन गलियारा (DFC) ○ अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INST) • सड़क परिवहन के लिए प्रमुख पहल • रेल परिवहन ○ रेलवे क्षेत्र और उनका मुख्यालय ○ सरकार की पहल • भारत में बंदरगाह • हवाई परिवहन ○ विमानन क्षेत्र से संबंधित वर्तमान योजनाएं • भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	**240**
15.	**जनसंख्या** • विभिन्न अवस्थाएं ○ उच्च स्थैतिक अवस्था ○ प्रारम्भिक वृद्धिमान अवस्था ○ उत्तर वृद्धिमान ○ निम्न स्थैतिक अवस्था ○ लिंगानुपात • लिंग अनुपात	**255**
16.	**वन्य जीव-जंतु और जैव विविधता** • पारिस्थितिकी तंत्र के संघटक ○ बायोम • दुनिया के प्रमुख बायोम • जैव विविधता • जैव विविधता हॉटस्पॉट ○ भारत में जैव विविधता हॉटस्पॉट • जैव विविधता का संरक्षण ○ जीवमंडल रिज़र्व (बायोस्फीयर रिजर्व) • भारत में बायोस्फीयर रिजर्व की सूची • वन्यजीव संरक्षण ○ लुप्तप्राय प्रजातियाँ और IUCN श्रेणियाँ • IUCN रेड लिस्ट के तहत भारत की प्रजातियां • महत्वपूर्ण प्रवासी पक्षियों की सूची • हमलावर नस्ल • महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियां	**258**

	• औषधीय पौधे • राष्ट्रीय उद्यान • भारत में कुछ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यानों की सूची	

17.	**पर्यावरण और पारिस्थितिकीय मुद्दे**
	• जलवायु परिवर्तन
	  ○ जलवायु परिवर्तन के चालक
	  ○ जलवायु परिवर्तन के भविष्य के जोखिम और प्रभाव
	  ○ जलवायु परिवर्तन शमन(यूएनईपी) :
	• ग्लोबल वार्मिंग
	  ○ प्रमुख ग्रीनहाउस गैसें
	  ○ ग्लोबल वार्मिंग के कारण
	  ○ ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव
	• ओजोन रिक्तीकरण (यूएनईपी)
	• ओजोन छिद्र
	• ओजोन हेलो
	• ओजोन रिक्तीकरण के प्रभाव
	• नियंत्रण उपाय और संबंधित निकाय
	• जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय संगठन, कार्यक्रम और सम्मेलन
	  ○ जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल :(आईपीसीसी)
	  ○ जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी)
	  ○ संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी)
	  ○ विश्व मौसम विज्ञान संगठन
	  ○ वैश्विक पर्यावरण सुविधा
	• जलवायु परिवर्तन प्रोटोकॉल
	  ○ क्योटो प्रोटोकोल
	  ○ सीओपी 21 या पेरिस शिखर सम्मेलन
		283

1 CHAPTER

प्रमुख स्थलाकृतियाँ, नदियाँ व झीलें - विश्व

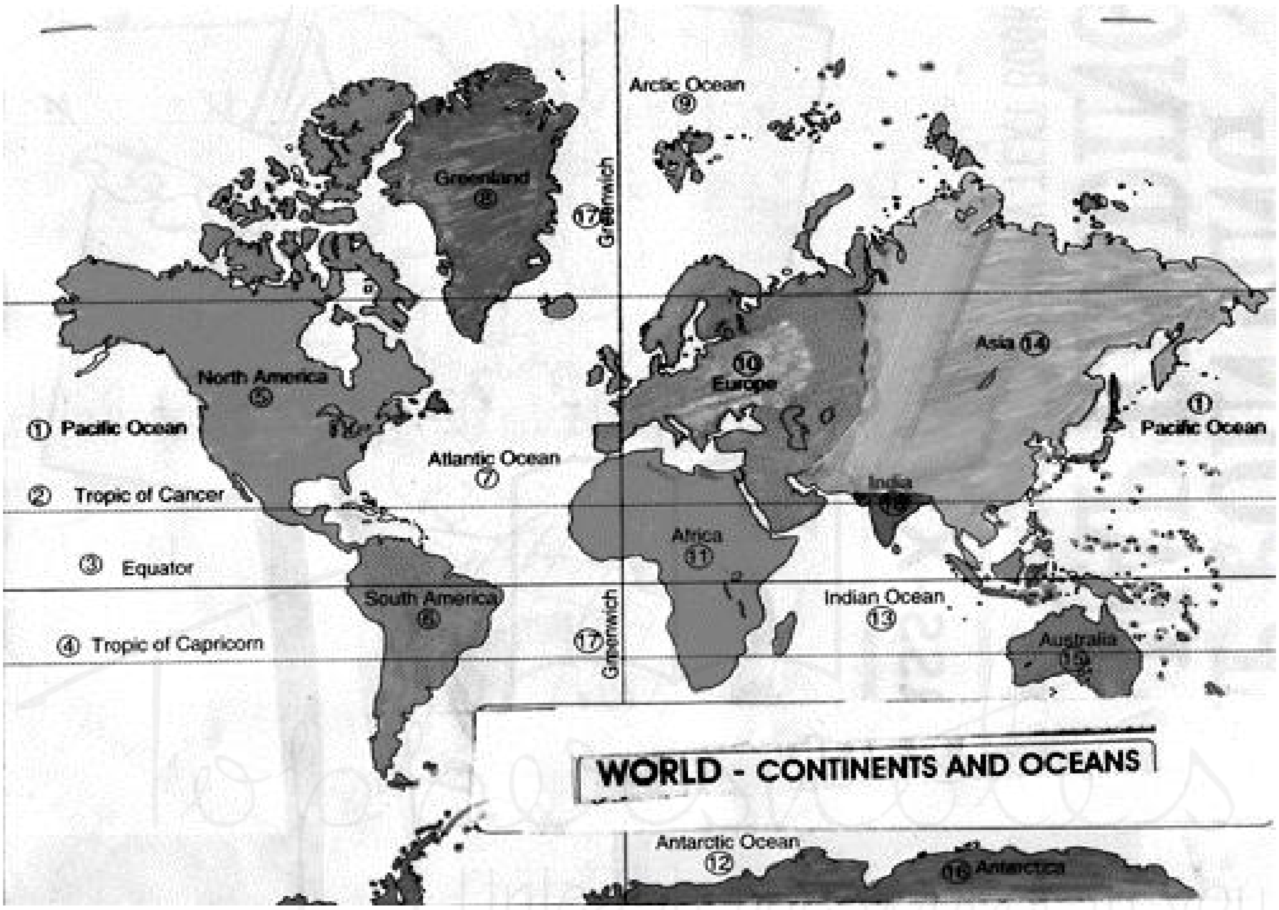

प्रथम स्तर की भू आकृतियाँ

- महाद्वीप

द्वितीय स्तर की भू आकृतियाँ

- पर्वत
- पठार
- मैदान

तृतीय स्तर की भू आकृतियाँ

- चोटियाँ ,क्रीक ,गोर्ज ,जलोढ़ पंख ,डेल्टा ,गोखुर झील

प्रथम स्तर की भू आकृतियाँ

- सागर

द्वितीय स्तर की भू आकृतियाँ

- महाद्वीपीय मग्न तट
- महाद्वीपीय ढाल
- गर्त

तृतीय स्तर की भू आकृतियाँ

- द्वीप ,तट ,प्रवाल आदि

भू-आकृति विकास के नियंत्रक कारक निम्नलिखित हैं:

- रॉक रचना या मूल चट्टानें।
- उच्चावच
- भूवैज्ञानिक संरचना
- जलवायु
- बहिर्जात एजेंट
- ऊर्जा
- जैविक गतिविधियाँ
- मानव

पर्वत

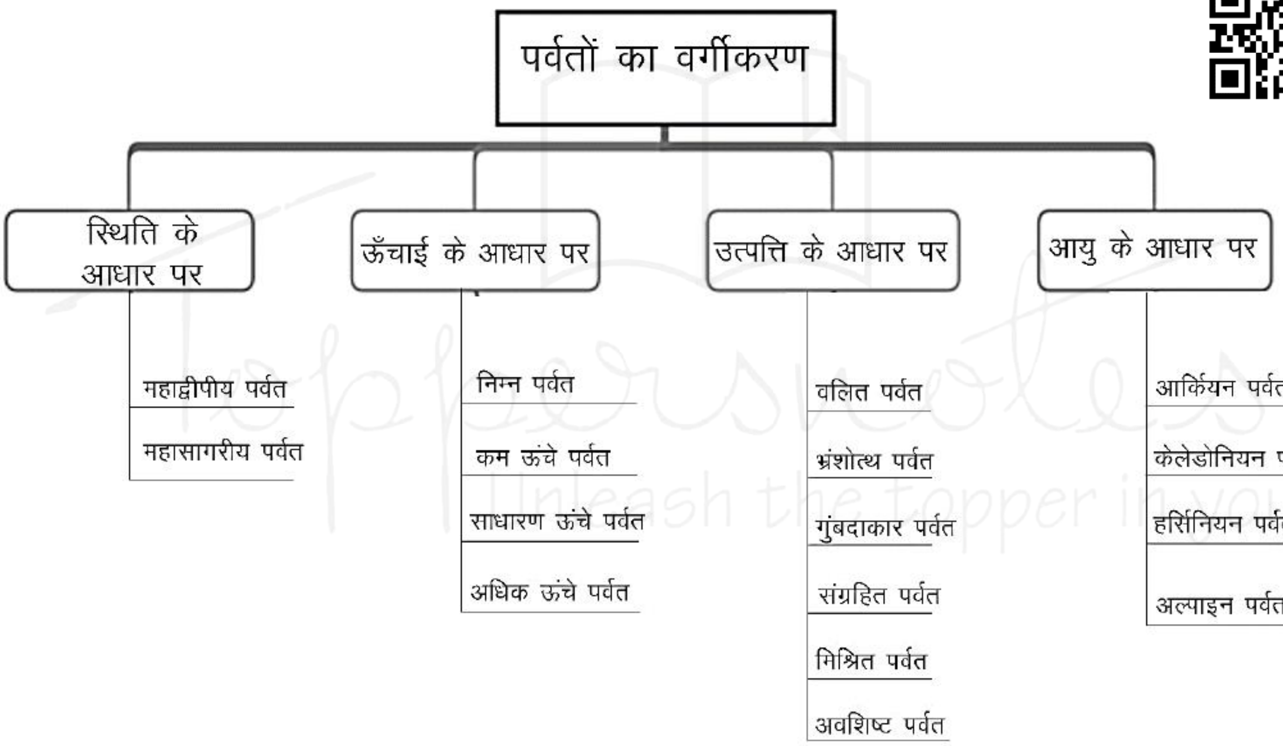

- पर्वत स्थलरूप, द्वितीय श्रेणी के उच्चावच हैं। भूमि का ऐसा भाग जो निकट के धरातल से अत्यधिक ऊँचाई में उठा हो, या तो अकेले ऊँचा हो अथवा श्रेणी में अथवा शृंखला में हो, पर्वत कहलाता हैं।
- कुछ भूगोलविद् 600 मीटर से अधिक की ऊँचाई को पर्वत की संज्ञा देते हैं और उससे नीचे के उठे भाग को पहाड़ियों की संज्ञा देते हैं।

पर्वतन (Orogenesis)-प्रक्रमों के समूह, जिनके द्वारा सामूहिक रूप से पर्वत क्रम का निर्माण होता है, उनको पर्वतन कहते हैं।

पर्वतों का वर्गीकरण

निर्माण प्रक्रिया के आधार पर

निर्माण प्रक्रिया के आधार पर पर्वतों को निम्न रूप में विभाजित किया जाता है

1. **वलित पर्वत (Folded Mountains**)
   - पृथ्वी की आंतरिक शक्तियों द्वारा जब चट्टानों में मोड़ या वलन पड़ जाते हैं तो उन्हें मोड़दार या वलित पर्वत कहते हैं। इनका निर्माण भू-सन्नतियों में होता है, जिसे पर्वतों का पालना कहते हैं। ये विश्व के प्रमुख पर्वत तंत्र हैं तथा सबसे युवा पर्वत हैं।
   - उदाहरण: यूरोप में आल्पस, एशिया में हिमालय, अफ्रीका में एटलस, ऑस्ट्रेलिया का ग्रेट डिवाइडिंग रेंज, दक्षिण अमेरिका का एण्डीज, उत्तरी अमेरिका का रॉकी ।
2. **भ्रंशोत्थ पर्वत (Block Mountains**)
   - पृथ्वी की आंतरिक शक्तियों के प्रभाव से धरातल विकसित दो समानान्तर भ्रंशों के भ्रंशतलों के सहारे उत्थित स्थलखण्ड भ्रंशोत्थ पर्वत के रूप में विकसित होते हैं। उदाहरण: भारत में नीलगिरि, कैलिफोर्निया में सियरा नेवादा,पाकिस्तान में साल्ट रेंज, जर्मनी का ब्लैक फारेस्ट

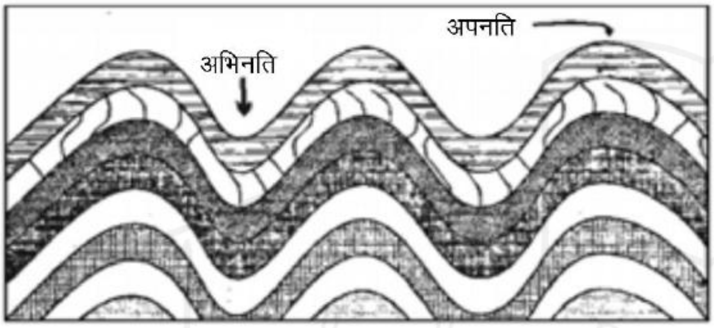

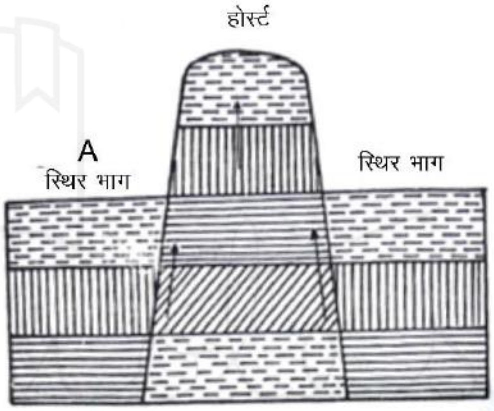

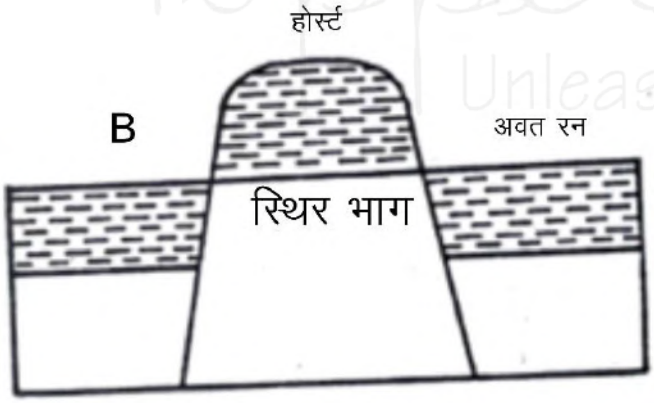

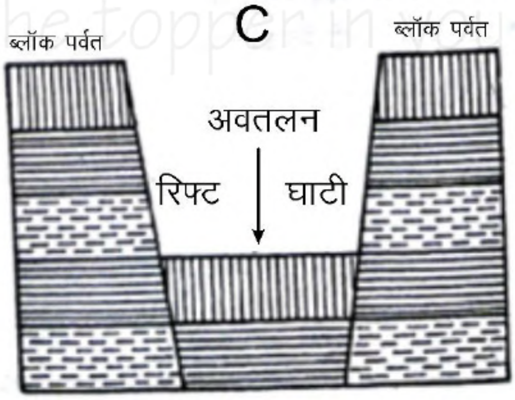

ज्वालामुखी पर्वत (Volcanic Mountains)

- लावा एवं पायरोक्लास्टिक पदार्थों के निष्कासन से ज्वालामुखीय पर्वत बनते हैं। यदि ये लंबे समय तक जारी रहते हैं तो इनसे अति विशाल ज्वालामुखीय अम्बार बन जाता है।
- उदाहरण: अफ्रीका के किलिमंजारो, संयुक्त राज्य अमेरिका में माउन्ट रेनियर, हुड और शास्ता, जापान में फ्यूजीयामा, एन्डीज का कोटोपेक्सी, चिली का एकांकागुआ।

4. गुम्बदाकार (Domed Mountains)

- जब पृथ्वी धरातलीय में चाप के आकार में उभार होने से धरातलीय ऊपर उठ जाता है तो उसे गुम्बदनुमा पर्वत जाता है। जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका की ब्लैक पहाड़ियाँ, सिनसिनाती और हेनरी पर्वत

5. अवशिष्ट (Residual Mountains)

- पर्वत जो लंबे समय अंतराल me अपरदन की प्रक्रिया द्वारा काट-छाँट se बनते हैं, अवशिष्ट कहलाते हैं।
- उदाहरण: भारत में विंध्याचल, अरावली, सतपुड़ा आदि ।

- अफ्रीका का सर्वोच्च पर्वत शिखर मॉउण्ट किलिमंजारो है। मॉउण्ट ब्लैक, आल्पस पर्वत का सर्वोच्च शिखर है जो यूरोप में स्थित है। व्हाइट पर्वत कैलिफोर्निया में स्थित है।
- विश्व की सर्वाधिक लम्बी पर्वत शृंखलाएँ हैं- एण्डीज (7000कि.मी.), रॉकी (4800 कि.मी.), एवं हिमालय (2500 कि.मी.)।
- मौनाकी पर्वत (हवाई द्वीप) सागर नितल के आधार पर विश्व का सर्वाधिक ऊँचा पर्वत है।
- आल्पस पर्वत फ्रांस, इटली, स्विट्जरलैंड तथा आस्ट्रिया में विस्तृत है।
- अफ्रीका का एटलस पर्वत मोरक्को, अल्जीरिया एवं ट्यूनीशिया में विस्तृत है।

पर्वत शिखर	ऊँचाई	पर्वत श्रेणी	
1.	एवरेस्ट	8848	हिमालय(नेपाल/तिब्बत)
2.	के 2 गाडविन	8611	कारकोरम(भारत)
3.	कंचनजंघा	8597	वृहद हिमालय(भारत)
4.	नंगा पर्वत	8124	हिमालय(भारत)
5.	एकोकागुआ	6960	एण्डीज (अर्जेन्टीना)
6.	ओजास डेलसलाडो	6885	एण्डीज (अर्जेन्टीना/चिली)
7.	जिम्बरेजो	6267	एण्डीज(इक्वेडोर)
8.	मैकिन्ले	6124	अलास्का(स.रा.अमेरिका)
9.	कोटापैक्सी	5897	एण्डीज(इक्वेडोर)
10.	किलिमंजारो	5895	किलिमंजारो(तंजानिया)
11.	एलबुर्ज शिखर	5642	काकेशस (जार्जिया)
12.	ब्लैक शिखर	4807	आल्पस (फ्रांस/स्पेन)
13.	मेट्टारहार्नशिखर	4478	जुरा (स्विट्जरलैंड)
14.	कुक शिखर	3764	कुक (न्यूजीलैंड)

स्थिति के आधार पर

1. **महाद्वीपीय पर्वत:** ये महाद्वीपों पर स्थित पर्वत हैं। ये दो प्रकार के हो सकते हैं:

   (i) तटीय पर्वत: महाद्वीपों के किनारों पर महासागरों के समानान्तर पाये जाते हैं।
   - जैसे: एण्डीज, रॉकीज, अप्लेशियन, पश्चिमी घाट, आल्प्स, एटलस।

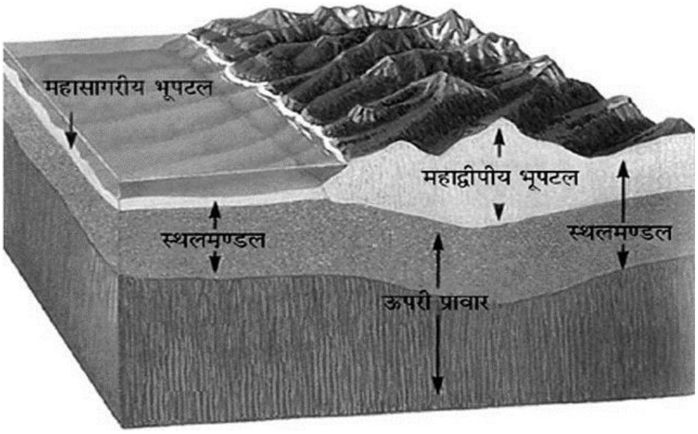

(ii) अंतरिक पर्वत: महाद्वीपीय तटों से दूर स्थल के आंतरिक भागों में पाये जाते हैं।
- जैसे: यूराल, कुलुन, त्यानसांग, अल्टाई।

2. **महासागरीय पर्वत:** सागर द्रोणियों या महाद्वीप निमग्न तटों पर पाये जाते हैं।
   - जैसे: हवाई द्वीप का मोनाकी पर्वत, अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह।

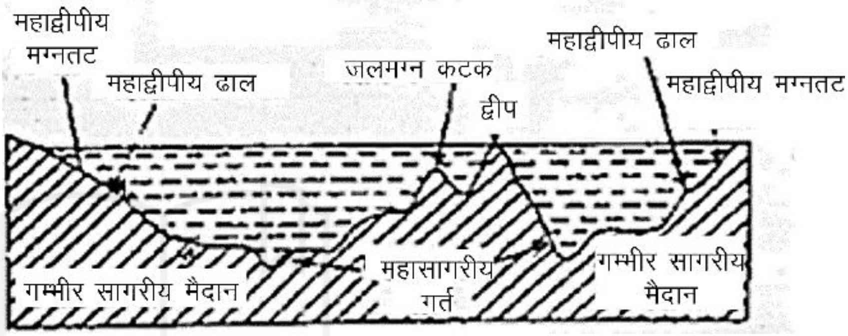

ऊँचाई के आधार पर

1. **निम्न पर्वत:** जिनकी ऊँचाई 700 मीटर से 1000 मीटर के मध्य होती है। उदाहरण: विंध्याचल ।
2. **कम ऊँचे पर्वत:** जिनकी ऊँचाई 1000 मीटर से 1500 मीटर के मध्य होती है। उदाहरण: अरावली।
3. **साधारण ऊँचाई वाले पर्वत:** जिनकी ऊँचाई 1500 मीटर से 2000 मीटर के मध्य होती है। उदाहरण: अल्पेशियन।
4. **अधिक ऊँचे पर्वत:** जिनकी ऊँचाई 2000 मीटर से अधिक होती है। उदाहरण: एण्डीज, हिमालय, आल्पस।

आयु के आधार पर

1. **आर्कियन पर्वत:** आज से 40 करोड़ वर्ष पूर्व कैम्ब्रियन काल में आर्कियन पर्वत निर्माणकारी हलचलें घटित हुई।
   - इस समय यूरोप में फेनोंस्कैण्डीनेविया तथा भारत में अरावली पर्वत का निर्माण हुआ।
2. **केलेडोनियन पर्वत:** लगभग 32 करोड़ वर्ष पूर्व घटित हलचलों के दौरान अमेरिका में अप्लेशियन, यूरोप में स्काॅटिश अपलैण्ड एवं आयरलैण्ड के पर्वतों का निर्माण हुआ।
3. **हर्सिनियन पर्वत:** लगभग 22 करोड़ वर्ष पूर्व घटित इन हलचलों को अल्टाइड, वारिस्कन व आरमोरिकन आदि नामों से भी जाना जाता है।
   - एशिया में थ्यानशान, अल्टाई, नानशान पर्वत, आस्ट्रेलिया में पूर्वी कार्डिलेरा, यूरोप में पेनाइन आदि पर्वत इसी काल में बने।
4. **अल्पाइन पर्वत:** आज से लगभग 3 करोड़ वर्ष पूर्व इन नवीनतम मोड़दार पर्वतों का निर्माण प्रारम्भ हुआ।
   - जिनमें हिमालय, कुनलुन, कराकोरम, अराकान, एल्बुरज, हिन्दुकुश, राॅकीज, एण्डीज, आल्पस, बाल्कन, पैरेनीज आदि पर्वत श्रेणियां उल्लेखनीय हैं।

महत्त्वपूर्ण पर्वत श्रृंखलाएं:

सौर प्रणाली में किसी भी ग्रह पर स्थित ज्ञात सर्वोच्च पर्वत मंगल ग्रह पर स्थित माउंट ओलम्पस है। यह सौर प्रणाली का सर्वोच्च सक्रिय ज्वालामुखी भी है।

एण्डीज

- दुनिया में सबसे लंबी महाद्वीपीय पर्वत श्रृंखला।

- लगभग 4,000 मीटर की औसत ऊंचाई
- वेनेजुएला, कोलबिया, इक्काडोर, पेरू, बोलिविया, चिली, और अर्जेटीना के बीच फैले हुए है।
- एशिया के बाहर दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृखंला है।
- सर्वोच्च शिखर, माउंट एकंकागुआ, समुद्र तल से 6,962 मीटर की ऊंचाई तक है।

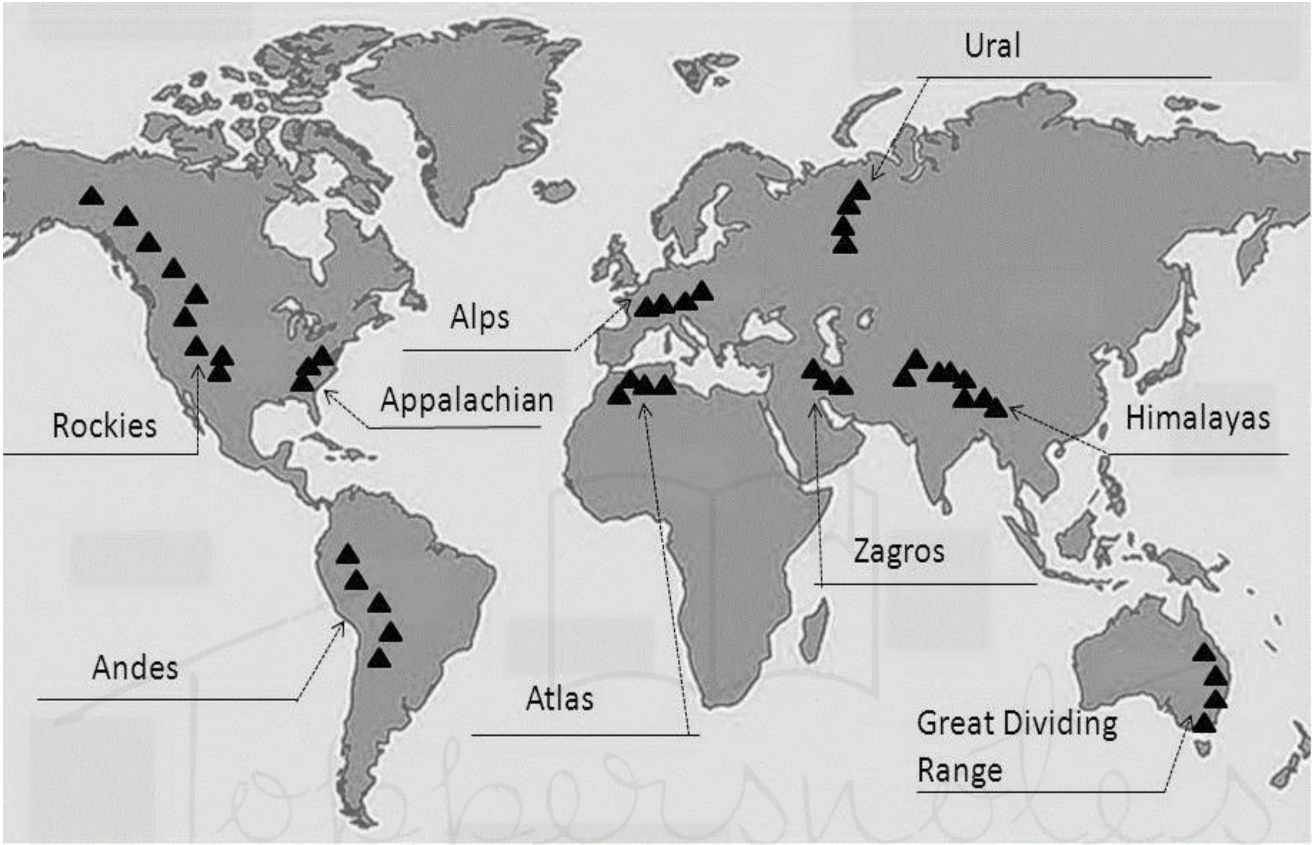

रॉकी पर्वत

- पश्चिमी उत्तरी अमेरिका में पर्वत श्रृंखला
- 3,000 से अधिक मील पर फैला है।
- प्लेट की टेक्टोनिक गतिविधि के परिणामस्वरूप पश्चिमी उत्तरी अमेरिका में बहुत स्पष्ट दिखाई देता है।

ग्रेट डिविडिंग रेंज

- ग्रेट डिवाइडिग रेंज, या पूर्वी हाइलैंड्स, आस्ट्रेलिया की सबसे महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखला और दुनिया में तीसरी सबसे लंबी भूमि आधारित रेंज है।
- आस्ट्रेलियाई आल्पस के रूप में भी जाना जाता है।

यूराल पर्वत

- यह उत्तर से दक्षिण में पश्चिमी रूस में आर्कटिक महासागर के तट से यूराल नदी तक और उत्तर-पश्चिमी कजाकिस्तान तक फैला हुआ है।
- यह यूरोप और एशिया के बीच प्राकृतिक सीमा है।
- यहाँ धातु अयस्क, कोयला, कीमती और अर्ध कीमती पत्थर आदि पाए जाते हैं।
- यूराल दुनिया के सबसे पुराने पर्वत श्रृंखलाओं में से हैं।

एटलस पर्वत

- अफ्रीका के उत्तर-पश्चिमी में अल्जीरिया, मोरक्को और ट्यूनीशिया के मध्य लगभग 2,500 किमी में विस्तृत है।
- सबसे ऊंची चोटी टाँब्कल है जो दक्षिण पश्चिम मोरक्को में स्थित है।

- एटलस पर्वत सहारा रेगिस्तान को भूमध्य सागरीय और अटलांटिक तट रेखाओं से अलग करती हैं।

अल्पेशियन पर्वत

- पूर्वी उत्तर अमेरिका में पाई जाने वाली पर्वत श्रृंखला
- अमेरिका के प्रमुख खनिज क्षेत्रों में से एक

हिमालय

- वे तिब्बती पठार से भारतीय उपमहाद्वीप के मैदानों को अलग कर देते हैं।
- हिमालय पर्वत सबसे ऊंची पर्वत चोटी एवरेस्ट सहित ग्रह की सबसे ऊंची चोटियों का घर है।
- मैदानों के उत्तरी किनारे पर 1000 मीटर ऊंची पहाड़ियों को शिवालिक या उप-हिमालय पर्वतमाला कहा जाता है।
  - आगे की ओर उत्तर में 2000-3000 मीटर ऊंची पहाड़ियों को हिमाचल या महाभारत रेंज के रूप में जाना जाता है।
- हिमालय, काराकोरम और हिंदूकुश पर्वतमाला द्वारा उत्तर-पश्चिम में तिब्बती पठार के उत्तर से, और दक्षिण भारत-गंगा के मैदान से दक्षिण में सीमा पर हैं।
- इसका विस्तार पश्चिम में नंगा पर्वत से लेकर पूर्व में नामचा बारवा तक विस्तृत है।

आल्पस पर्वत

- यूरोप की पर्वत श्रृंखला जो पूर्व में आस्ट्रिया और स्लोवेनिया, पश्चिम में फ्रांस, स्विट्जरलैंड, लिंचेस्टाइन, और दक्षिण पूर्व जर्मनी और दक्षिण में मोनाको और इटली सहित आठ अल्पाइन देशों में लगभग 1,200 किलोमीटर में विस्तृत है।
- अफ्रीकी और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने से इन पहाड़ों का निर्माण हुआ।
- फ्रांस में स्थित माउंट ब्लेंक आल्प्स में सबसे ऊँचा पर्वत है।

ऊँचाई के आधार पर पर्वत श्रृंखलाएं:

पर्वत	स्थान	
हिमालय	भारत, नेपाल, भूटान, चीन, पाकिस्तान	**एवरेस्ट पर्वत**
काराकोरम	पाकिस्तान, भारत, चीन	**K2**
हिन्दुकुश	अफगानिस्तान, भारत, पाकिस्तान	**तिरिच मीर**
पामीर	ताजीकिस्तान, चीन, अफ़ग़ानिस्तान, भारत, पाकिस्तान	**इस्माइल सामानी पर्वत**
तियानशान	चीन, कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, भारत, उज़्बेकिस्तान, पाकिस्तान	**जेन्गिश चोकुसु**

पठार (Plateaus)

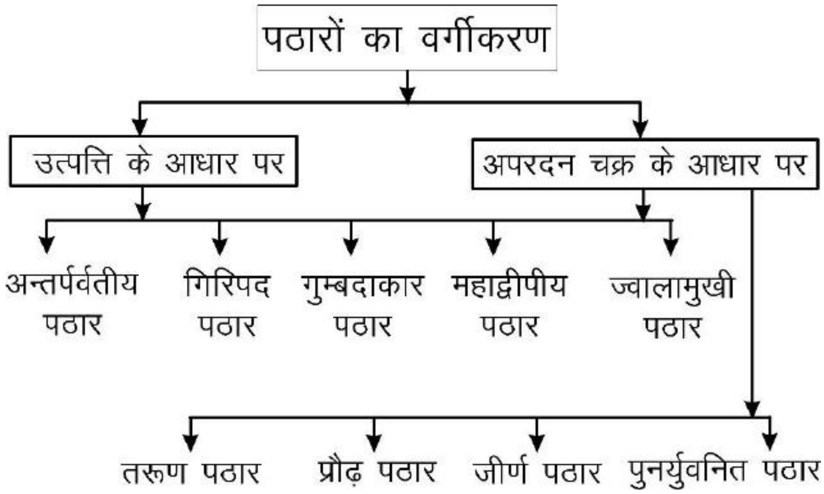

- पठार (Plateaus) पठार शब्द फ्रांसिसी शब्द है जिसका अर्थ है सपाट शीर्ष । पठार की ऊँचाई 200 मी० होती है। आस पास की भूमि से ऊँचा भूखण्ड जिसका शिखर सपाट होता है, पठार कहलाता है। पठार में प्रायः एक ही ढाल होता है। ये ऊबड़ खाबड़ (Rough Cut) तथा असमान (Irregular) होते हैं। तिब्बत का पामीर पठार संसार का सबसे ऊँचा तथा विस्तृत पठार है।
  अथवा
- पठार धरातल पर स्थित सपाट शीर्ष, मन्द ढाल और विस्तृत आधार वाले स्थलरूप होते हैं। पठार कभी-कभी मैदानों से नीचे होते हैं; जैसे-पीडमाण्ट पठार (संयुक्त राज्य अमेरिका) या पर्वतों से ऊँचे भी होते हैं; जैसे-तिब्बत का पठार (5000मी)
- विश्व के 33% स्थलीय भाग पर पठार पाया जाता है।

पठार के 7 प्रकार:

(1) टेक्टोनिक पठार (Tectonic Plateaus) जब कोई भूभाग भूगर्भ की शक्तियों के कारण आसपास के क्षेत्रों से ऊपर उठ जाता है तो इसे ही टेक्टोनिक पठार कहते हैं। जैसे – कोलेरेडो एवं कोलम्बिया का पठार |

(2) लावा पठार (Lava Plateaus) ज्वालामुखी के लावा के जमने से बना पठार लावा पठार कहलाता है। जैसे अमेरिका का कोलम्बिया पठार, महाराष्ट्र का पठार

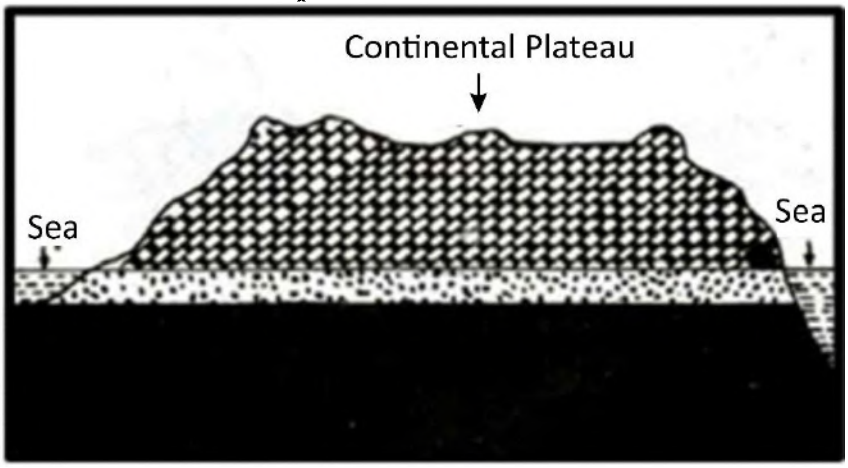

(3) पियामा पठार या गिरीपाद पठार (Piedmont Plateaus) पर्वतीय क्षेत्रों में पर्वतों के निर्माण के साथ बना पठार पियामा का पठार कहा जाता है, अर्थात् पर्वतीय नदियों के अपरदन या निक्षेप द्वारा पठार का निर्माण होता है। जैसे-

अमेरिका का पिडमोन्ट पठार, दक्षिण अमेरिका में अर्जेन्टाइना का पेंटागोनिया पठार है। इन्हें गिरीपाद पठार भी कहते हैं।

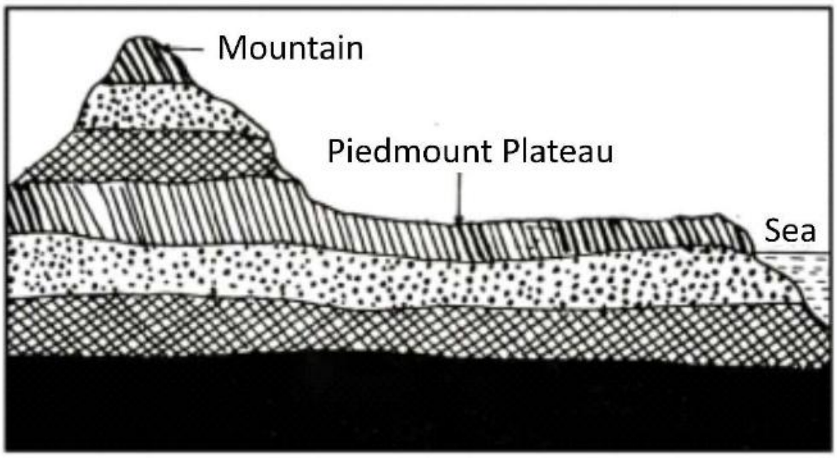

(4) अन्तर्पर्वतीय पठार (Inter-mountain Plateaus) ये पठार पर्वतों के मध्य विकसित होते हैं। इनके किनारे पर ऊँची ऊँची पर्वत श्रेणियाँ होती हैं। जैसे हिमालय एवं क्युनलुन के बीच स्थित तिब्बत का पठार एवं पामीर का पठार।

- पामीर का पठार विश्व का सर्वाधिक ऊँचा पठार है।
- पामीर के पठार को सर्वाधिक ऊँचा होने के कारण विश्व की छत कहा जाता है।

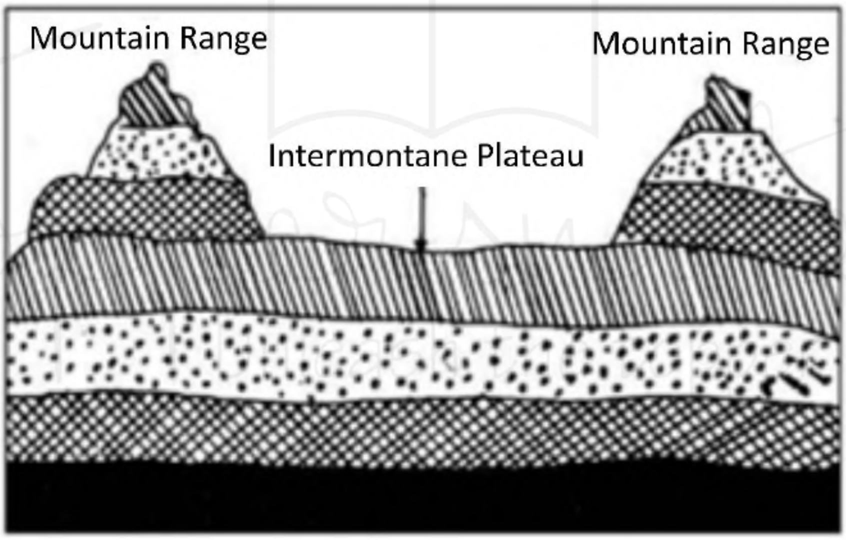

(5) नदीकृत पठार (Riverine Plateaus)- नदियाँ अपने साथ अपरदित एवं प्रवाहित मलवा बहा लाती हैं और मैदानों में एकत्रित करती हैं इसी मलवे से निर्मित पठार को ही नदीकृत पठार कहते हैं। जैसे विन्ध्य पठार भारत में चेरापूँजी का पठार वर्मा का शान पठार

(6) हिमानीकृत पठार (Glaciated Plateaus)- हिमानियाँ प्रत्येक वर्ष पहाड़ी क्षेत्रों का धीरे धीरे अपरंदन करती रहती हैं। फलतः जो पठार बनता है उसे हिमानीकृत पठार कहते हैं। जैसे - उत्तरांचल का गढ़वाल पठार, ग्रीनलैण्ड पठार, अण्टार्कटिका पठार

(7) पवन निर्मित पठार (Aeolian Plateaus)- पवन द्वारा मरुस्थलों एवं अर्धमरुस्थलों से बालू एवं रेत के कणों को उड़ाकर किसी उपयुक्त स्थान पर जमा किया जाता है। इस प्रक्रिया द्वारा निर्मित पठार को ही पवन निर्मित पठार कहते हैं। जैसे- आस्ट्रेलिया का पश्चिमी पठार पाकिस्तान का पोतवार पठार चीन का लोयस पठार

पठार एवं उसकी प्रसिद्धि का कारण

- सोने, ताम्बे तथा हीरे की प्राप्ति के लिए अफ्रीका का पठार प्रसिद्ध है।